Samyak
An Institute For Civil Services

RAS - 23 MAINS TEST SERIES

सिद्धि - 16/A16

Time : 3 Hours **(Paper - II)** **Maximum Marks : 200**

सामान्य ज्ञान व सामान्य अध्ययन
General Knowledge & General Studies

Name :		MARKS	
Enroll. No.:	Part	Att. Ques.	Marks Obtained
Date of Birth :	Unit- I		34
Medium : Hindi	Unit - II		26
E-mail :	Unit - III		29
Exam Date : 13-01-2024	Total		89

Evaluator's Code	Reviewer's Code	Invigilator's Signature	Student's Signature
SID-			

अनुदेश (Instructions)

1. परीक्षा शुरू होने से पहले पुस्तिका को जाँच लें।
   Please check the booklet before commencement of the exam.
2. दिये गये रिक्त स्थान में निर्देशित शब्द सीमा में उत्तर दें।
   Write the answers according to the prescribed word limit, in the space given.
3. अंक योजना प्रत्येक खंड के प्रारम्भ में दी गई है।
   The marking scheme is given at the start of every section.
4. परीक्षा के पश्चात् उत्तर पुस्तिका हॉल अधीक्षक को सौंप दें।
   Return the answer booklet to the hall superintendent after completing the paper.
5. अभ्यर्थियों को उत्तर निर्धारित शब्द सीमा से अधिक नहीं लिखना चाहिए, इसका उल्लंघन करने पर अंक काटे जा सकते हैं।
   Candidates should not write more than the prescribed word limit in answers, violating this may result in deduction of marks.
6. अभ्यर्थियों को निर्देशित किया जाता है कि किसी भी प्रश्न का उत्तर प्रश्नोत्तर पुस्तिका में निर्धारित स्थान पर ही लिखें। बॉर्डर लाईन से बाहर प्रत्युत्तर नहीं लिखें। बॉर्डर लाईन के बाहर लिखे गये उत्तर को जाँचा नहीं जायेगा।
   Candidates are directed to write answers only in the prescribed space of booklet. They should not write answer outside the border line. Answer written outside the border line will not be checked.

	REVIEW PARAMETERS	SCALE			
		Good	Above Average	Average	Below Average
1.	DOES THE ANSWER ADDRESS THE DEMAND OF THE QUESTION?			✓	
a.	**Answer Relevancy**			✓	
b.	**Answer Enrichment** points like use of: · **Key Terms/** Subject Vocabulary. Use of Commission/ report/ government publication/ judgements, etc. **Association with the Current Affairs and use of examples** to explain the concept and idea				✓ ✓ ✓
2.	HOW WELL IS THE ANSWER PRESENTED?			—	
a.	**Structure** - Intro, Body, Conclusion				—
b.	**Presentation** – Using Subheadings/ points/ highlighting/ flowcharts/ diagrams/ maps				—
c.	**Language & Grammar**			—	
d.	**Word limit**			—	

Detailed Comments / Feedback / Suggestions for Improvement
विस्तृत टिप्पणियाँ/फीडबैक/सुधार के लिए सुझाव :-

→ skill Improvement पर ध्यान देने की आवश्यकता है, विशेषतः:

→ Basic Mapping वाले सवालों में Map बनायें
जैसे मृदा क्षारीकरण वाला सवाल, घाटियों वाला सवाल
→ Data का कहीं प्रयोग नहीं है,
ऊर्जा वाले सवाल में Necessary है Data का प्रयोग।

अन्य ठीक है, व्याकरण अच्छी है।

Unit-1 Part-A, प्रश्न संख्या 2 में प्रासंगिकता लिखने का तरीका कमाल है, ऐसे उत्तर ना लिखे।

SAMYAK, Near Riddhi Siddhi, Gopalpura Bypass, Jaipur, 9875170111
Test Series Helpline & Whatsapp - 9414988860, Email Id - samyaktestseries@gmail.com

Samyak
An Institute For Civil Services

Unit – I (65 Marks)

(यूनिट – I) (65 अंक)

Part – A Marks : 10

भाग - अ अंक : 10

Note : Attempt all questions. Answer the following questions in 15 words each. Each Question carries 2 marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर 15-15 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक निर्धारित हैं।

1. बौद्धिक सत्यनिष्ठा
Intellectual Integrity

1

बौद्धिक सत्यनिष्ठा :- सत्यनिष्ठा का तात्पर्य है सभी परिस्थितियों में सत्य के प्रति निष्ठावान रहकर कार्य करना और बुद्धि का भी इस्तेमाल कियाजायेतब यह बौद्धिक सत्यनिष्ठा कहलाती है

स्वयं का मूल्यांकन उन्हीं आधार/प्रतिमान पर करना जिन पर हम दूसरों का मूल्यांकन करते हैं।

(Write above this line only)

2. जैन दर्शन का 'अस्तेय' संबंधी विचार क्या है? वर्तमान में इसकी प्रासंगिकता बताइये-
What is the idea of 'Asteya' of Jain philosophy? Explain its relevance in present time.

1

अस्तेय :- अस्तेय का शाब्दिक अर्थ है 'चोरी नहीं करना'
वर्तमान में अगर प्रशासन में और सामान्य जीवन में भी देखा जाये तो यह एक आवश्यक गुण है जो सभी में होना चाहिए।

मन, वचन, कर्म से धन संपत्ति व वस्तु को नहीं चुराना।

(Write above this line only)

Samyak
An Institute For Civil Services

3. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के दर्शन पर प्रकाश डालिए, उनका दर्शन एक प्रशासनिक अधिकारी के लिए किस तरह उपयोगी है?
Throw light on the philosophy of Sarvepalli Radhakrishnan, how is his philosophy useful for an administrative officer?

सर्वपल्ली राधाकृष्णन हमेशा कहते हैं 'अंतर्मन' की शुद्धता जरूरी हैं उनके अनुसार सभी को पता हैं सही और गलत क्या है, लेकिन कम लोग इसे अपना पाते हैं प्रशासनिक अधिकारी को भी नैतिक, सत्यनिष्ठ व करुणामयी होना चाहिए।

2 good

(Write above this line only)

4. नैतिक अभिक्षमता की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए-
Explain the concept of moral aptitude.

नैतिक अभिक्षमता :- नैतिक अभिक्षमता से तात्पर्य है नैतिक सद्गुणों की सक्षमता से मूल्यों का निर्माण और नैतिक मूल्यों के अनुसार ही कार्य करना।

1

व्यक्ति के निर्णय लेने और कार्यों में नैतिक नियमों तथा मूल्यों को समझने की क्षमता

(Write above this line only)

5. अरस्तु के 'मध्यम मार्ग सिद्धान्त' को समझाइये-
Explain Aristotle's 'Middle Path Theory'.

'मध्यम मार्ग' यह अतिवादी व निकृष्टवादी दोनों विचारों के मध्य की विचारधारा है. अर्थात मध्यममार्ग नैतिक हैं जैसे हिंसा व कायरता के मध्य 'साहस' मध्यम मार्ग है।

1

आक्रामकता व कायरता के मध्य

(Write above this line only)

भोग व वैराग्य के बीच संयम

Samyak
An Institute For Civil Services

Part – B (25 Marks)
भाग - ब (25 अंक)

Note : Attempt all questions. Answer the following questions in 50 words each. Each Question carries 5 marks.
नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर 50 शब्द में दें। प्रत्येक प्रश्न के 5 अंक निर्धारित हैं।

1. "आपको क्या करने का अधिकार है और आपको क्या करना उचित है, के बीच के अंतर को जानना नैतिकता है:" लोक प्रशासन और निर्णय लेने के संदर्भ मे इस उद्धरण के महत्व पर चर्चा कीजिए-
"Ethics is knowing the difference between what you have the right to do and what you are right to do" Discuss the importance of this quote in the context of public administration and decision making.

लोक प्रशासन में क्या करने का अधिकार है और क्या किया जाना के बीच अंतर ही नैतिकता है अर्थात बहुत बार ऐसी परिस्थितियां एक प्रशासक के समक्ष आती हैं जब उसे इस अंतर को जानना आवश्यक होता है क्योंकि हो सकता कानून किसी परिस्थिति को नियंत्रित करने का कोई अधिकार देता हो लेकिन अगर अंतर्मन सत्यनिष्ठ, करुणामय या दया का भाव प्रकट करे तो वस्तुतः किया गया निर्णय नैतिक होगा और सच्चे अर्थों में यही नैतिकता होगी।

उत्तर की शुरुआत किसी लेखक के दार्शनिक के कथन से करें।

(Write above this line only)

2. "लोक सेवा के बदलते स्वरूप और लोक सेवकों से उच्च अपेक्षाओं के साथ, सार्वजनिक क्षेत्र में आचार संहिता अधिक महत्त्वपूर्ण हो गई है।" टिप्पणी कीजिये-
"With the changing nature of public service and higher expectations from public servants, the code of conduct in the public sector has become more important." Comment.

लोक सेवा के बदलते स्वरूप के अनुसार सार्वजनिक क्षेत्र में आचार संहिता का महत्व अधिक हो गया है क्योंकि:-

(i) आचार संहिता उन नैतिक नियमों का संकल्पन है जिनका पालन सभी को किया जाना चाहिए अतः आवश्यक है सार्वजनिक नैतिक संहिता की।

(ii) आचार संहिता लोकसेवकों व सामान्य जनों दोनों के ही पालन की जानी आवश्यक है अतः यह महत्वपूर्ण है

(iii) आचार संहिता कार्य संचालन अथवा नियम उल्लंघन किये जाने पर दंड का प्रावधान भी करती है

(Write above this line only)

Samyak
An Institute For Civil Services

3. नैतिक सुखवाद क्या है? मूल्यांकन कीजिए-
What is Ethical hedonism? Evaluate.

मूल्यांकन कीजिए जैसे सवालों में परिचय के पश्चात, उस कथन का मूल्यांकन करना है

2

नैतिक सुखवादः- नैतिक सुखवाद का तात्पर्य है कि व्यक्ति जन्म से ही स्वार्थी है और उसकी अपेक्षा सदैव ही अधिकतम सुख की होती है अर्थात व्यक्ति मूल रूप से स्वार्थी ही पैदा होता है और जीवनभर स्वार्थपूर्ति में ही लगा रहता है। यह अवधारणा नैतिक सुखवाद कहलाता है।

बेंथम व मिल दोनों ही नैतिक सुखवादी है और उनके अनुसार 'अधिकतम व्यक्ति का अधिकतम सुख ही' नैतिक है, यद्यपि इसमें कई आर्थिक, सामाजिक, मनोवैज्ञानिक व धार्मिक कारक प्रभावी भूमिका निभाते हैं।

(Write above this line only)

4. व्यक्तिगत नैतिकता व व्यावसायिक नैतिकता के बीच अंतर स्पष्ट कीजिये-
Explain the difference between personal ethics and professional ethics.

3

अच्छा सार

व्यक्तिगत नैतिकता	व्यावसायिक नैतिकता
* यह व्यक्तिगत गुणों अर्थात आपसी सामंजस्य पर निर्भर करती है।	* यह कंपनी की प्रबंधकीय व्यवस्था पर निर्भर करता है।
* यह व्यक्ति के अन्य व्यक्तियों से संबंध निर्धारित करती है।	* यह कम्पनी का अन्य कम्पनी और सरकार से संबंध निर्धारित करती है।
* इस हेतु कोई कानून या आचार संहिता नहीं होती है।	* इसकी अनुपालना नियम व कानून से होती है।
* इसके लाभ अथवा हानि दोनों का प्रभाव व्यक्ति पर पड़ता है।	* इसका प्रभाव कम्पनी व उपभोक्ता दोनों पर पड़ता है।
	* उल्लंघन पर दण्ड का प्रावधान।

(Write above this line only)

उदा.- भी लिखें ईमानदारी, पारदर्शिता | गोपनीयता कानून-पालन

Samyak
An Institute For Civil Services

5. भगवद्गीता एवं काण्ट के नीतिशास्त्र में क्या समानता-असमानता है? बताइये-
What are the similarities and differences between Bhagavad Gita and Kant's ethics?

2½

समानताएँ ← संकल्प की स्वतंत्रता / व्यक्ति की महत्ता / कर्तव्य की अवधारणा

* भगवद्गीता एवम् काण्ट दोनों ही कर्म को प्रधान मानते है, फल को नहीं। * दोनों ने ही आत्मा की अमरता की बात की है।
* दोनों ही ईश्वरीय अस्तित्व में विश्वास करते हैं।
* दोनों ही निष्कामकर्म की परिकल्पना देते हैं।

असमानताएँ भगवद्गीता	काण्ट का नीतिशास्त्र
* यह एक धार्मिक आख्यान है।	* यह एक नैतिक संकल्पना है
* यह कठोरतावादी दर्शन नहीं है	* यह कठोरता का समर्थक है
* यह विशेष परि॰ में लिबरल है	* यह कभी भी नरम नहीं है

प्रत्येक जगह दोनों का प्रयोग ना करें क्योंकि यहां प्रश्नानुसार अंके ही संदर्भ में बात हो रही है।

(Write above this line only)

सिविल सेवा की तैयारी को समर्पित संस्थान

RAS | IAS | PSI

ऑफलाइन व Live From Classroom · Exclusive Hindi & English Medium · ऑफलाइन बैच के साथ ऑनलाइन कोर्स फ्री
Printed Booklets*/E-Notes · Classes By Best Experts & Library Facility · Personal Mentorship

Samyak
An Institute For Civil Services

ONLINE COURSES AVAILABLE ON SAMYAK APP
Live & Recorded Classes
Personal Mentorship
Test Series & Solution
Toppers' Strategic Sessions
Download & Join

NEAR RIDDHI-SIDDHI, GOPALPURA, JAIPUR
9875170111

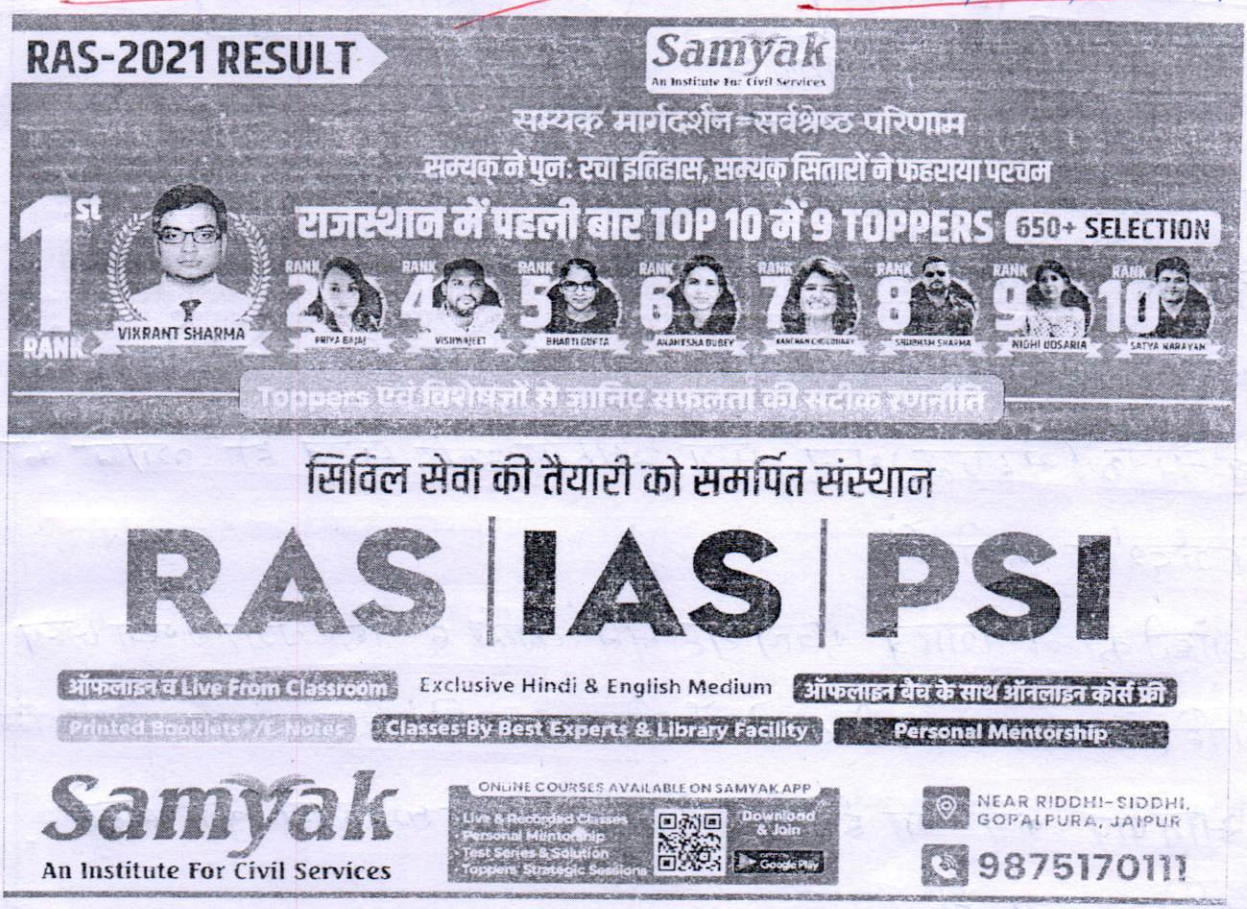

Samyak
An Institute For Civil Services

Part – C (30 Marks)
भाग - स (30 अंक)

Note : Attempt all questions. Answer the following questions in 100 words each. Each Question carries 10 marks.
नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर 100 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 10 अंक निर्धारित हैं।

1. गांधीवादी नैतिकता से आप क्या समझते हैं? विभिन्न संघर्षों के समाधान में गांधीवादी नैतिकता की भूमिका की विवेचना कीजिए-
What do you understand by Gandhian ethics? Discuss the role of Gandhian ethics in resolving various conflicts.

गांधीवादी नैतिकता :- नैतिकता के सम्बंध में महात्मा गाँधी के नैतिक विचारों का प्रयोग कर संघर्ष समाधान अथवा न्याय निर्णयन करना गांधीवादी नैतिकता की देन है गांधीजी की नैतिकता के विभिन्न रूप

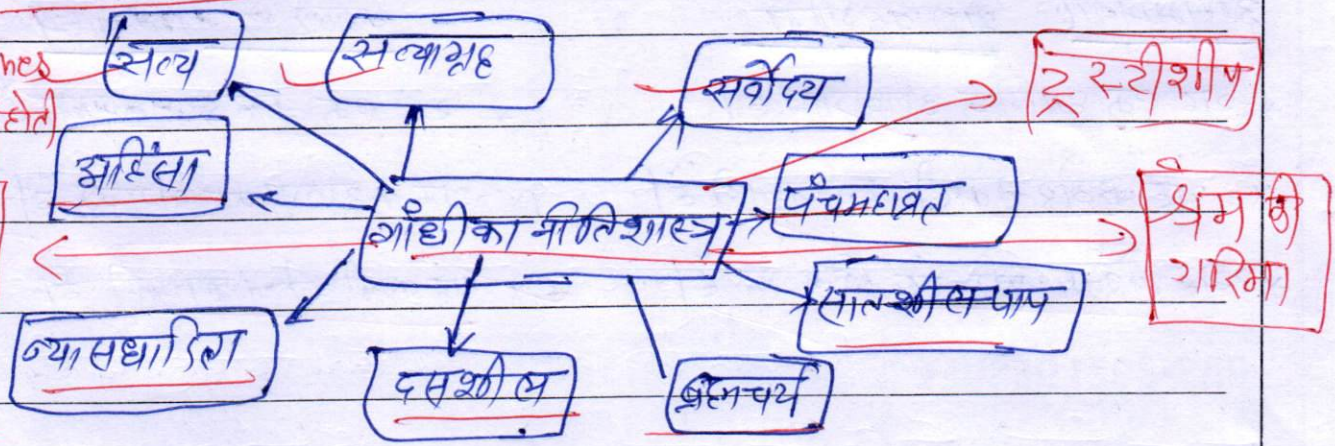

प्रशासन में एवम् व्यक्तिगत जीवन में भी संघर्षों के समाधान में गाँधीवादी नैतिकता सदैव ही काम आती है

जैसे जब व्यक्ति किसी भी तरह की नैतिक दुविधा में होता है तो ये नैतिक सिद्धान्त जैसे सत्य, अहिंसा आदि सदैव ही व्यक्ति को मार्गदर्शन करते हैं

गांधी का नैतिशास्त्र केवल यह नहीं बताता है कि क्या किया जाना चाहिए अथवा यह भी बताते हैं कि क्या नहीं किया जाना चाहिए जिनको 'सात पाप' कहा गया है जो सदैव ही संघर्ष समाधान का सबसे उचित माध्यम है

Samyak
An Institute For Civil Services

2. "अभिवृत्ति एक छोटी सी चीज है लेकिन इससे बहुत फर्क पड़ता है।" अभिवृत्ति के निर्माण में योगदान देने वाले कारकों और अभिवृत्ति के विभिन्न कार्यों की चर्चा करें-
"Attitude is a small thing but it makes a big difference." Discuss the factors contributing to the formation of attitude and various functions of attitude.

6

अभिवृत्ति :- अभिवृत्ति का तात्पर्य है किसी व्यक्ति, वस्तु एवम् घटना के सम्बंध में किसी व्यक्ति का अपना 'नजरिया' अर्थात यह उसके व्यक्तित्व का एक पहलू होती है, अतः स्पष्ट है कि यह छोटी सी चीज है परन्तु इससे बहुत फर्क पड़ता है, क्योंकि यही है जो व्यक्ति के नजरिये को दिखाती है।

व्यक्ति का नजरिया लेकिन यह दोनों भाव में होता है)

अभिवृत्ति के निर्माण में योगदान करने वाले कारण :- ① सकारात्मक ② नकारात्मक

(1) पारिवारिक पृष्ठभूमि :- पारिवारिक पृष्ठभूमि अभिवृत्ति निर्माण का मुख्य कारण है।

(2) सामाजिक कारक :- जाति, समाज की स्थिति आदि।

(3) राजनीतिक विचारधाराएं :- राजनैतिक विचारधाराओं को मानने के संबंध में।

(4) आर्थिक कारक :- पूंजीवादी, समाजवादी, साम्यवादी सभी का अलग प्रभाव।

(5) समाज एवम् व्यक्तियों का प्रभाव :- समाज एवम् नेताओं का प्रभाव।

(6) पर्यावरणीय दशाएं एवम् जलवायु :- जलवायु एवम् पर्यावरणीय परिस्थितियां भी जिम्मेदार होती है अभिवृत्ति निर्धारण में।

कारक अच्छे से वर्णित है

अभिवृत्ति के कार्य :- ① सामंजस्य ② उपयोगितावादी कार्य, ③ आत्म सम्मान ④ सामाजिक भूमिका

(i) अभिवृत्ति एक स्थायी अभिगत विशेषता होती है अतः यह किसी भी क्षेत्र में वहां की विचारधारा एवम् स्थिति निर्धारित करती है।

(ii) अभिवृत्ति से व्यक्ति स्थिति के प्रति अपना कार्य करना सीखता है। (iii) अभिवृत्ति व्यक्ति को व्यापनिर्णयन एवम् प्रशासक को निर्णय करने में सहायता प्रदान करती है।

(Write above this line only)

Samyak
An Institute For Civil Services

3. क्षमतागत दृष्टिकोण, उपयोगितावाद से कैसे भिन्न है? चर्चा कीजिए-
How does the capability approach is different from utilitarianism? Discuss.

• क्षमतागत दृष्टिकोण (परिणाम व सिद्धांत)	• उपयोगितावाद (परिणामवादी दृष्टिकोण)
क्षमतागत दृष्टिकोण बेथम व मिल के उपयोगितावाद से भिन्न है क्योंकि यह अधिकतम सुख की बात नहीं करता है और इनके अनुसार व्यक्ति जन्म से स्वार्थी नहीं बल्कि परार्थी है।	• उपयोगितावाद के प्रबल समर्थक जेम्स मिल व बेथम रहे हैं और उनके अनुसार 'उपयोगितावाद' से तात्पर्य है कि वह सभी चीजें अथवा कार्य नैतिक है जो मानव हेतु उपयोगी है।
• इस विचारधारा के अनुसार अधिकतम सुख का निर्धारण 'क्षमता' से होता है।	• यह नैतिक सुखवाद की एक अवधारणा है जो अधिकतम लोगों के अधिकतम सुख की बात करते हैं।
• व्यक्ति मूलरूप से स्वार्थी व परार्थी दोनों होता है और समय एवम् क्षमता के अनुसार अपना पक्ष प्रकट करता है।	• बेथम कहते हैं कि व्यक्ति मूलरूप से सुखवादी ही है लेकिन वह कुछ दबाव है जिनकी वजह से काम करता है जैसे सामाजिक दबाव, आर्थिक दबाव, राजनैतिक दबाव एवम् उससे महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक दबाव।

इस प्रकार क्षमतावादी व उपयोगितावादी दोनों ही विचारधाराएं सुखवाद व मनुष्य के नैतिक पक्ष एवम् इस हेतु जिम्मेदार कारकों को प्रकट करते हैं, लेकिन भिन्न-भिन्न तरीकों से।

Samyak
An Institute For Civil Services

Unit – II (70 Marks)

(यूनिट – II) (70 अंक)

Part – A (10 Marks)

भाग - अ (10 अंक)

Note : Attempt all questions. Answer the following questions in 15 words each. Each Question carries 2 marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर 15-15 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक निर्धारित हैं।

1. अजैव निम्नीकरणीय अपमार्जक क्या है? उदाहरण सहित समझाइए।
What is non-biodegradable detergent? Explain with examples.

अजैव निम्नीकरण अमार्जक :- ऐसे अपमार्जक जिनको इस्तेमाल के पश्चात पूर्णतः नष्ट नही किया जा सकता, जबकि वे जैव परिस्थिति में वापस पहुंच जाते हैं एवम् नुकसान पहुंचाते हैं

पर्यावरण प्रदूषण करते है
उदा. → बेंजीन सल्फोनेट

(Write above this line only)

2. B6GA के उद्देश्य व महत्व पर प्रकाश डालिये-
Throw light on the purpose and importance of B6GA.

B6GA:

(Write above this line only)

3. इसरो के अनुसार प्रक्षेपण यान की पीढ़ियों का वर्गीकरण कीजिये-
As per ISRO, classify the generations of launch vehicle-

SLV - Satellite Launch Vehicle.
ASLV (Augmented satellite Launch Vehicle)
PSLV - (Polar Satellite Launch Vehicle)
GSLV - (Geosynchronise ~~Satellite~~ Launch vehicle)
LVM-3

प्रमुख 3 पीढ़िया
① प्रायोगिक
② परिचालन
③ भारी भार के यान

Samyak
An Institute For Civil Services

4. निम्न पौधों के औषधीय गुण बताइये-
a. वज्रदंती b. खूबकला c. रोहिड़ा d. कालमेघ

Tell the medicinal properties of the following plants--
(i) Vajradanti (ii) Khoobkala (iii) Rohida (iv) Kalmegh

वज्रदन्ती :- यह मजबूत दाँत व मसूड़ों हेतु, आयुर्वैदिक दंतमंजन में उपयोग।

यकृत-प्लीहा

रोहिड़ा : इसके पुष्प व छाल का औषधीय इस्तेमाल

कालमेघ :- यह cholestrole, Sugar हेतु कारगर।

पाचन, एसिडिटी

(Write above this line only)

5. इंद्रजाल (ड्रोन रक्षा गुम्बद) की विशेषतायें बतायें-
Tell the characteristics of Indrajal (drone defense dome)-

इन्द्रजाल :-

(Write above this line only)

ग्वांटम = ऊर्जा तथा पदार्थ की प्रकृति की व्याख्या करती है।

Samyak
An Institute For Civil Services

प्रयास में राष्ट्रीय पहल में सरकारों द्वारा किये जा रहे प्रयास

Part – B (20 Marks)
भाग - ब (20 अंक)

Note : Attempt all questions. Answer the following questions in 50 words each. Each Question carries 5 marks.
नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर 50 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 5 अंक निर्धारित हैं।

1. रोगाणुरोधी प्रतिरोध के कारण बतायें तथा रोगाणु रोधी प्रतिरोध से निपटने के लिये भारत द्वारा किये गये प्रयास बतायें-
Explain the reasons for antimicrobial resistance and explain the efforts made by India to deal with antimicrobial resistance.

2

रोगाणुरोधी प्रतिरोध :- रोगाणुरोधी प्रतिरोध से तात्पर्य है किसी रोग के इलाज हेतु या उसके Against antidote बनाने जाने हेतु रोगजनक का ही इस्तेमाल किया जाकर रोग के खिलाफ लड़ना ही रोगाणुरोधी प्रतिरोध कहलाता है।

इस हेतु भारत द्वारा किये गये प्रयास:- Vaccinational programme Polio vaccination, BCG Vaccination, covid-vaccination आदि सभी आते हैं इसके अलावा ① Mission Indradhanusha.
② Intense Mission Indradhnusha.

② एंटीबायोटिक दवाओं का बढ़ता उपयोग।
① प्रभावी निवारण का अभाव

(Write above this line only)

2. क्वांटम टेक्नोलॉजी क्या है? राष्ट्रीय क्वांटम मिशन, क्वांटम प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भारत के अनुसंधान और विकास प्रयासों के लिये एक महत्त्वपूर्ण कदम का प्रतिनिधित्व करता है। स्पष्ट करें-
What is quantum technology? The National Quantum Mission represents a significant step forward in India's research and development efforts in quantum technology. Explain.

2

तरीका
① परिचय
② लक्ष्य
③ महत्व

क्वांटम टेक्नोलॉजी:- क्वांटम टेक्नोलॉजी वह नवीन तकनिकी है जिसमें क्वांटम डॉट्स अथवा क्यूबिट्स का इस्तेमाल होता है और इसमें (0-1) के क्रम में गणनाएँ साथ-साथ हो जाती हैं।

National quantum Mission:- यह क्वांटम क्षेत्र में विकास व अनुसंधान हेतु लायी गयी policy है जो IOT, Robotics, q-bits, क्वांटम डॉट्स, AI आदि पर कार्य करता है।

क्वांटम computing के विकास हेतु IISC, IIT Madras, IIT Delhi आदि को इस हेतु तैयार किया गया जहां quantum computing के विकास व अनुसंधान पर कार्य किया जा रहा है।

(Write above this line only)

Samyak
An Institute For Civil Services

3. बायोटेक्नोलॉजी अनुसंधान और नवाचार परिषद् (BRIC) क्या है? इसके उद्देश्यों को रेखांकित कीजिए-
What is Biotechnology Research and Innovation Council (BRIC)? Underline its objectives.

BRIC Biotechnology Research and Innovation council
यह भारत मे जैव प्रोद्योगिकी के क्षेत्र मे सर्वोच्च विकास एवम्
अनुसंधान संस्थान है: उद्देश्यः-
(i) जैव प्रौद्योगिकी के सम्बंध में देशभर में निति निर्माण व
क्रियान्वयन। (ii) जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र मे विकास एवम्
अनुसंधान को प्रोत्साहन। यह जैव प्रोद्यो क्षेत्र की विनियामक संस्था है
(iii) जैव प्रौद्योगिकी मे फोरेन्सिक, सरोगेसी, बायोतकनिकी फसल
आदि हेतु नियम व विनियमन तय करना (iv) अनुसंधान हेतु संस्थाओं
का क्रियान्वयन देखना आदि।

(Write above this line only)

(Margin notes: एकीकृत शासन; अनुसंधान उत्कृष्टता; भागीदारी; सतत प्रथाएँ)

4. Wi-Fi 7 के बारे में बताते हुए वाई-फाई की पीढ़ियों की तुलना कीजिये-
Explain about Wi-Fi 7, compare the generations of Wi-Fi.

Wi-Fi-7 — Wi-Fi 7 अभी की नवीनतम wireless
fidelity है जिसकी शुरुआत हालहि मे 2024 में हुई है
और इसमें speed लगभग 45-48 Gbps की होगी। अपेक्षित है 36 gbps

Wi-Fi की अन्य Generations

Wi-Fi 1 — सर्वप्रथम .05 gbps की speed
Wi-Fi-2 — 1999 0.5 gbps.
Wi Fi-3 2000
Wi Fi 4 2003
Wi Fi 5 2008
Wi Fi 6 2018 2019 20-25 gbps 9.6 gbps

(Margin notes: wi-fi-7; 3 माध्यम: ① Base station ② Router ③ Devices; Wi-fi 4 → 2007, 5 → 2013, 6/6E → 2019, 7 → अपेक्षित)

(Write above this line only)

Samyak
An Institute For Civil Services

रोग - मेनिनजाइटिस, मिर्गी, ट्यूमर, स्ट्रोक

Part – C (40 Marks)

भाग - स (40 अंक)

Note : Attempt all questions. Answer the following questions in 100 words each. Each Question carries 10 marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर 100-100 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 10 अंक निर्धारित हैं।

1. मानव तंत्रिका तंत्र का वर्गीकरण करते हुए प्रतिवर्ती क्रिया का वर्णन करें तथा तंत्रिका तंत्र संबंधी रोगों के प्रकार बतायें-

While classifying the human nervous system, describe the reflex action and tell the types of diseases related to the nervous system.

4½

मानवतंत्रिका तंत्र :- तंत्रिकातंत्र से तात्पर्य है वह तन्त्र जो संवेदी क्रियाओं, शरीर की ऐच्छिक व अनैच्छिक क्रियाओं का निर्धारण करता है और इसका वर्गीकरण

तंत्रिका तंत्र
- (1) केन्द्रीय तंत्रिका तंत्र
  - मस्तिष्क
  - मेरुरज्जू
- (2) परिधीय तंत्रिका तंत्र
  - अनुकम्पी
  - परानुकम्पी तंत्र
- (3) स्वायत्त तंत्रिका तंत्र

Line से बाहर ना लिखे

scientific तरीके से वर्गीकरण करें

मस्तिष्क :- मस्तिष्क में भी अग्रमस्तिष्क, मध्यमस्तिष्क एवम प्रमस्तिष्क होता है। पश्च मस्तिष्क

अग्रमस्तिष्क	मध्यमस्तिष्क	प्रमस्तिष्क
(a) सेरिब्रम (c) प्रमस्तिष्क	(A) सेरिब्रल same	(a) सेरिबेलम
(B) डाइएनसिफेलोन	(B) कार्पोरा क्वाड्रीजेमिना	(b) मेड्यूला आब्लांगेटा
यह स्मरण, बुद्धि, चेतना का भाग है।	यह दृष्टि का भाग	यह संवेदी तंत्र और अनैच्छिक क्रियाओं का नियंत्रण है।

परिधीय तंत्रिका तंत्र :- मस्तिष्क व मेरुरज्जू को शरीर के अन्य भागों से मिलाने वाली महीन रेखाएं मिलकर परिधीय तंत्रिका तंत्र बनाती है।

परिधीय की परिभाषा नहीं लिखने पर भी ठीक था।

प्रतिवर्ती क्रियाएं :- सामान्यतः किसी भी विशेष परिस्थिति में या emergency situation में अपने मस्तिष्क से संवेदी सूचना शरीर तक आती है लेकिन इसके तहत तुरन्त ही प्रतिक्रिया करना प्रतिवर्ती क्रिया है जैसे गर्म चिमटे को छूते ही तुरन्त हाथ हटा लेना।

(Write above this line only)

प्रश्न की मांग यानि केवल वर्गीकरण फिर प्रतिवर्ती क्रिया व रोग पूरा लिखें और

Samyak
An Institute For Civil Services

संरक्षण के तरीके — सकारात्मक सुरक्षा / रक्षात्मक सुरक्षा

2. पारम्परिक ज्ञान/जानकारी (Traditional knowledge) क्या है? वर्तमान आईपीआर व्यवस्था में पारम्परिक जानकारी को किस प्रकार संरक्षित किया जा सकता है? राजस्थान राज्य बौद्धिक संपदा अधिकार नीति (2021-26) का संक्षिप्त विवरण दें-

What is traditional knowledge/information? How can traditional knowledge be protected in the current IPR regime? Give a summary of Rajasthan State Intellectual Property Rights Policy (2021-26).

पारम्परिक ज्ञान जानकारी :- पारम्परिक ज्ञान जानकारी से तात्पर्य है प्राचीन एवम् पारम्परिक ज्ञान के स्त्रोतो से प्राप्त जानकारी। पारम्परिक ज्ञान जानकारी मे प्राचीन साहित्य, पुरातत्व व अन्य सामग्रियों को शामिल किया जाता है।

वर्तमान IPR के तहत इनका संरक्षण भी किया जाना आवश्यक है इस हेतु इनको Intellectual property rights के तहत 20 वर्ष हेतु संरक्षित भी किया जा सकता है किन्तु इनमे संरक्षक को व्यावसायिक अधिकार नहीं होंगे।

इस प्रकार Traditional Knowledge का संरक्षण भी IPR में किया जा सकता है।

राजस्थान बौद्धिक अधिकार नीति:- राजस्थान में बौद्धिक संपदा अधिकार नीति का क्रियान्वयन 2021 में किया गया जो 5 साल के लिए जारी की गई है:-

(i) IPR के वैश्विक नियमो की अनुपालना करना।

(ii) IPR के नियमों को सुसंगत बनाकर लोगों तक पहुंचाना और इसका वास्तविक अर्थ लोगों को समझाना।

(iii) IPR मे विभिन्न क्षेत्रों का सुचारू वर्गीकरण कर प्रदर्शित करना।

(iv) IPR मे ट्रेडमार्क, कॉपीराइट आदि के नियमों की सुचारू अनुपालना।

(बाएँ हाशिये पर टिप्पणी: पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही जानकारी। ऐसे प्रश्नों के उत्तर की शुरुआत किसी संस्था द्वारा जारी परिभाषा से करनी चाहिए। जैसे WIPO के अनुसार पारंपरिक ज्ञान यह है)

Samyak
An Institute For Civil Services

3. संक्षिप्त टिप्पणी करें-

a. शांतिस्वरूप भटनागर b. असीमा चटर्जी c. वराहमिहिर
d. एडवलथ कक्कत जानकी अम्माल e. टेसी थॉमस

Comment Upon-

a. Shantiswaroop Bhatnagar b. Asima Chatterjee c. Varahamihir
d. Edavalath Kakkat Janaki Ammal e. Tessy Thomas

4

(1) शांतिस्वरूप भटनागर:- भारतीय वैज्ञानिकों में शांतिस्वरूप भटनागर प्रमुख वनस्पति वैज्ञानिक हुए हैं और इन्होंने वनस्पति विज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है। शांति स्वरूप भटनागर को प्रथम वनस्पति विज्ञानी माना जाता है। CSIR के निदेशक रहे

(2) असीमा चटर्जी:- असीमा चटर्जी प्रमुख भारतीय जीव विज्ञानी हुई हैं जिनका जीवविज्ञान के क्षेत्र में अमूल्य योगदान रहा है। 1

(3) वराहमिहिर:- वराहमिहिर प्राचीन भारतीय इतिहास में प्रमुख वैज्ञानिक, खगोलशास्त्री हुए हैं जिन्होंने नक्षत्र गणना व ज्यामितीय गणनाओं के बारे में बताया। इन्होंने वृहत्संहिता एवम् वृहज्जातक की रचना की थी। 1½

(4) Edvalath Kakkat Janaki Ammal:

(5) टेसी थामस:- टेसी थामस ISRO की प्रमुख वैज्ञानिक रही हैं जिनका योगदान भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र में उल्लेखनीय रहा है। हालहि में किये गये चन्द्रयान की प्रथम उड़ान में एवम् मंगलयान में इनका उल्लेखनीय योगदान रहा था। → Missile Woman 1½

(write above this line only)

Samyak
An Institute For Civil Services

4. संक्षिप्त टिप्पणी करें-
Comment Upon-
a. पीला धुंआ/Yellow smoke
b. AMRIT (IIT मद्रास)/AMRIT (IIT Madras)
c. जरायुज अंकुरण/Uterine germination
d. जीवामृत व पंचगव्य/Jeevamrit and Panchagavya
e. इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (ISS) का महत्व/Importance of International Space Station (ISS)

पीला धुंआ :-

AMRIT – AMRIT IIT Madras द्वारा निर्मित एक

पितृ स्व पौधे

③ जरायुज अंकुरण :- जरायुज अंकुरण से तात्पर्य है अंकुरण की वह विधि जिसमें कोई पौधा बीज एवम् कलम दोनों द्वारा अंकुरित हो जाता है।

कवक, बैक्टीरिया (जीवाणु)

④ जीवामृत एवम् पंचगव्य :- जीवामृत या पंचगव्य गाय की पांच उत्पादों का आयुर्वेदिक मेल है जो स्वास्थ्य हेतु बहुत ही बेहतर उत्पाद होता है। पंचगव्य में (गाय का घी, गाय का दूध, मूत्र, गोबर) आदि को शामिल किया जाता है इन्हें जीवामृत भी कहा जाता है।

⑤ ISS – International space station – NASA द्वारा अंतरिक्ष में स्थापित एक अंतरिक्ष स्टेशन है जिसमें अमेरिका, कनाडा, फ्रांस, इंग्लैण्ड व भारत सम्मिलित है।

Samyak
An Institute For Civil Services

Unit – III (65 Marks)
(यूनिट – III) (65 अंक)

Part – A (10 Marks)
भाग - अ (10 अंक)

Note : Attempt all questions. Answer the following questions in 15 words each. Each Question carries 2 marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर 15-15 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक निर्धारित हैं।

1. जुरैसिक काल में घटित प्रमुख जैविक घटनाओं को उल्लेखित कीजिये-
Mention the major biological events that occurred during the Jurassic period.

ज्युरैसिक :- यह मिसोजोइक पुराखण्ड का एक भाग है और यह समय 'डायनासोर' की उत्पत्ति व विकास हेतु जाना जाता है।

→ उड़ने वाले पक्षियों का उद्भव भी
→ सरीसृप भी।

(Write above this line only)

2. मेंटल संरचना (Mantle) के बारे में बताइये-
Tell about the structure of Mantle.

Mantle :- यह कोर एवम् क्रस्ट के मध्य की स्थिति है और क्रस्ट व मेन्टल के मध्य 'मोहरोविक असंबद्धता' तथा मेन्टल व कोर के बीच 'लेहमान' असंबद्धता पायी जाती है।

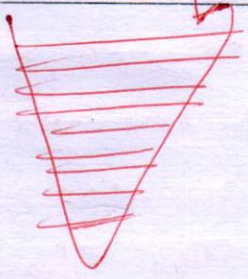

मोटाई - 2900 km

घनत्व 3.3 gm/cm (ऊपर), 5.9 g/c³ निचली परत

(Write above this line only)

crust
mantle
core.

Samyak
An Institute For Civil Services

3. राजस्थान में मृदा का वैज्ञानिक वर्गीकरण स्पष्ट करें-
Explain the scientific analysis of soil in Rajasthan-

मृदा का वैज्ञानिक वर्गीकरण :- 5 प्रकार

एरिडिसोल्स

वर्टीसोल्स

Map

इनसेप्टीसोल्स

ऐन्टीसॉल्स

अल्फीसॉल्स

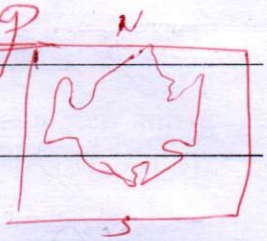

(Write above this line only)

4. डांडेली वन
Dandeli Forest

डांडेली वन :- डांडेली वन से तात्पर्य है ज्वारीय क्षेत्र के वन जिन्हें दलदली वन भी कहते हैं

कर्नाटक के कनाड़ में स्थित है

(Write above this line only)

5. ग्लोबल रिवर सिटी एलायंस (GRCA)
Global River City Aliance (GRCA)

'GRCA' Global River City Alliance :- यह नदियों के किनारे बसे वैश्विक शहरों का Alliance है जिसमें मुख्यतः डेन्यूब के किनारे बसे शहर है।

भारत के स्वच्छ गंगा मिशन के तहत जल शक्ति मंत्रालय द्वारा COP 28 के दौरान गठित Aliance.

(Write above this line only)

Samyak
An Institute For Civil Services

Part – B (25 Marks)
भाग - ब (25 अंक)

Note : Attempt all questions. Answer the following questions in 50 words each. Each Question carries 5 marks.
नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर 50 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 5 अंक निर्धारित हैं।

1. राजस्थान वानिकी एवं जैव विविधता विकास परियोजना के बारे में जानकारी दीजिए-
Give information about Rajasthan Forestry and Biodiversity Development Project –

राजस्थान वानिकी एवम् जैव विविधता परियोजना :- राजस्थान में वन क्षेत्र विकास एवम् अनुसंधान तथा जैवविविधता संरक्षण व विकास हेतु इस परियोजना की शुरुआत की गई। इसके कार्य

(i) वन विकास व संरक्षण हेतु कार्य करना, जैव विविधता संरक्षण के क्षेत्र में कार्य करना।

(ii) वन विकास हेतु विभिन्न योजनाएं चलाना एवम् वृक्षारोपण क्षेत्र बढ़ाना (iii) जैव विविधता को बढ़ाना एवम् जैव विविधता स्थलों का संरक्षण व विस्तारण।

(Write above this line only)

2. यूरेनियम माइनिंग सेक्टर में राजस्थान की स्थिति का विश्लेषण करें-
Analyse the situation of Rajasthan in uranium mining sector.

यूरेनियम :- राजस्थान में खनिजों में देखा जाये तो अगर परमाणु ऊर्जा हेतु उपयुक्त है तो वह यूरेनियम ही है और यही यूरेनियम राजस्थान में प्रमुखतः -

सीकर - उमरा एवम् नीमकाथाना क्षेत्र

उदयपुर - इसके अलावा उदयपुर में कुछ क्षेत्रों में यूरेनियम पाया जाता है।

यूरेनियम का उत्खनन अपेक्षाकृत कम से कम एवम् निश्चित क्षेत्रों में है अतः यह एक महंगी प्रक्रिया है।

(Write above this line only)

Samyak
An Institute For Civil Services

3. पटल विरूपणी पठार के प्रकारों का वर्णन कीजिए-
Describe the types of diastrophim plateau.

पटलविरूपणी पठार :- पटलविरूपणी पठार से तात्पर्य उन पठारों से हैं जिनका निर्माण पटल विरूपणी बलों के कारण हुआ है-

(1) अन्तर्पर्वतीय :- यह पर्वत के पर्वत खण्डों के बीच में पाये जाने वाला पठार होता है। पामीर का पठार।

(2) पर्वतपदीय :- यह पर्वत की तलहटी में पाया जाता है जो दूसरी तरफ से पर्वत से सटा हो। तिब्बत का पठार।

(3) महाद्वीपीय :- यह समतल महाद्वीपीय क्षेत्रों में पाया जाता है जो खुले पाये जाते हैं - दक्कन का पठार।

(Write above this line only)

4. "लघु हिमालय सतत रूप से स्थिर नहीं है।" इसकी श्रेणियों का वर्णन करें-
"Lesser Himalaya is not permanently stable." Describe its ranges-

लघु हिमालय :- लघु हिमालय, हिमालय का सबसे निम्नवर्ती व कम ऊँचा भू भाग है और यह हिमालय के वृहद एवम् मध्य हिमालय के बाद का हिस्सा है जिसमें कम ऊंची चोटियां हैं और यह चूंकि नवीन एवम् वलित पर्वत है अतः हिमालय आज भी स्थिर अवस्था में नहीं बल्कि निर्माण की प्रक्रिया में है

यहां औसत ऊँचाई 900 मीटर या इससे अधिक है।

यह शिवालिक हिमालय भी कहलाता है, इसमें गारो, खासी, जयंतियां, मिशी, मिजो, जयंतिया, पटकोई आदि सभी निम्न ऊँचाई की पहाड़ियां आती हैं इसमें नेपाल का तराई क्षेत्र भी आता है

(Write above this line only)

(Evaluator's margin notes: 3; Good; 2; प्रश्न की मांग को समझना है। सतत रूप से स्थिर नहीं इस पर स्पष्ट लिखना है। श्रेणियां (4) - पीरपंजाल - नाग टिब्बा - धौलाधार - महाभारत)

Samyak
An Institute For Civil Services

5 मैंग्रोव वन विकास के लिये अनुकूल दशायें बताइये। भारत में यह वन किन क्षेत्रों में पाये जाते है?
Explain the favorable conditions for mangrove forest development. In which areas are these forests found in India?

मैंग्रोव वन :- मैंग्रोव वनों से तात्पर्य है जो दलदली व ज्वारीय क्षेत्रों में पाये जाते हैं अनुकूल दशाएं :- (i) ये ज्वारीय क्षेत्रों में अधिक पाये जाते हैं * इस हेतु दलदली व पूर्णतः आर्द्र मृदा आवश्यक होती है (ii) ये डेल्टाई, ज्वारनदमुख क्षेत्रों में मिलते हैं * इस हेतु उच्च दलदली, समजलवायु, आर्द्रजलवायु आवश्यक है।

क्षेत्र :- * गंगा ब्रह्मपुत्र का डेल्टाई क्षेत्र
* अण्डमान व निकोबार क्षेत्र
* लक्षद्वीप

(Write above this line only)

RAS-2021 RESULT
Samyak
An Institute For Civil Services
सम्यक मार्गदर्शन=सर्वश्रेष्ठ परिणाम
सम्यक ने पुनः रचा इतिहास, सम्यक सितारों ने फहराया परचम
राजस्थान में पहली बार TOP 10 में 9 TOPPERS 650+ SELECTION
1st RANK VIKRANT SHARMA
RANK 2 PRIYA BAJAJ
RANK 4 VISHWAJEET
RANK 5 BHARTI GUPTA
RANK 6 AKANKSHA DUBEY
RANK 7 SANCHITA CHOUDHARY
RANK 8 SHUBHAM SHARMA
RANK 9 NIDHI UDSARIA
RANK 10 SATYA NARAYAN
Toppers एवं विशेषज्ञों से जानिए सफलता की सटीक रणनीति
सिविल सेवा की तैयारी को समर्पित संस्थान
RAS | IAS | PSI
ऑफलाइन व Live From Classroom
Exclusive Hindi & English Medium
ऑफलाइन बैच के साथ ऑनलाइन कोर्स फ्री
Printed Booklets/E-Notes
Classes By Best Experts & Library Facility
Personal Mentorship
Samyak
An Institute For Civil Services
ONLINE COURSES AVAILABLE ON SAMYAK APP
• Live & Recorded Classes
• Personal Mentorship
• Test Series & Solution
• Toppers Strategic Sessions
Download & Join
GooglePlay
NEAR RIDDHI-SIDDHI, GOPALPURA, JAIPUR
9875170111

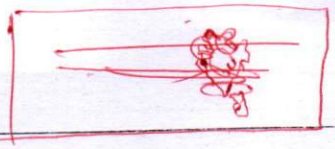

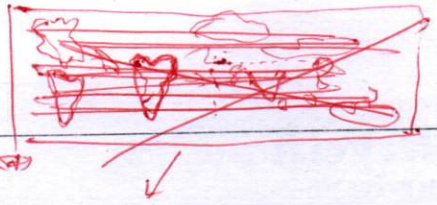

Samyak
An Institute For Civil Services

द० एशिया मानलक (India को)

द० एशिया में भारत से संबंधित एक भी Point नहीं लिखा।

Part – C (30 Marks)
भाग - स (30 अंक)

Note : Attempt all questions. Answer the following questions in 100 words each. Each Question carries 10 marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर 100-100 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 10 अंक निर्धारित हैं।

3½

1. दक्षिण एशिया की भू-राजनीतिक समस्याएं बतायें एवं उनका भारत पर प्रभाव बताइये-
Explain the geopolitical problems of South Asia and its impact on India.

द० एशिया :- द० एशिया से तात्पर्य है एशिया का दक्षिणी हिस्सा जहाँ चीन, वियतनाम, इण्डोनेशिया, थाइलैण्ड आदि क्षेत्र आते हैं और यहाँ की भूराजनैतिक समस्याएँ :-

(1) समुचित सीमांकन का अभाव :- द० एशियाई क्षेत्रों में समुचित सीमांकन के अभाव के कारण यह क्षेत्र विवादास्पद है।

(2) चीन का प्रभुत्व :- चीन इस क्षेत्र में अपना प्रभुत्व जमाने की कोशिश करता है।

(3) चीन द्वारा व्यापारिक व सामरिक गतिविधियाँ :- चीन द्वारा इस क्षेत्र में String of pearls और Port निर्माण गतिविधियाँ।

(4) समुद्री मत्स्यन विवाद :- समुद्री क्षेत्रों में उपयोग एवम् नियमन का अभाव

द० एशिया की भूराजनैतिक समस्याओं का भारत पर प्रभाव :-

(i) इससे भारत की अपनी व्यापारिक गतिविधियाँ प्रभावित होती हैं, क्योंकि भारत का अधिकतर व्यापार इसी क्षेत्र से होता है।

(ii) चीन द्वारा इस क्षेत्र पर भारत की विदेश व कूटनीति को प्रभावित करती है।

(iii) भारत का मत्स्यन व खनिज उत्पादन प्रभावित।

(iv) भारत को quad जैसे संगठन के सहयोग की अपेक्षा।

(Write above this line only)

Margin notes: कश्मीर; रोहिंग्या; उग्रवाद; जल विवाद; चीन प्रभाव; परमाणु प्रसार; आसियान एकता; आतंक वित्त पोषण; जलवायु परिवर्तन

2. "प्रोजेक्ट टाइगर के 50 वर्ष पूरे होने पर, इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस (IBCA) का अनावरण किया गया।" प्रोजेक्ट टाइगर की सफलता पर विश्लेषण कीजिए तथा भारत में 'बिग कैट्स संरक्षण' का महत्व बताइये-
"On completion of 50 years of Project Tiger, International Big Cat Alliances (IBCA) was unveiled." discuss the success of Project Tiger, and 'Big Cat Conservation' in India. Explain the importance of 'Big Cats Protection'.

4.2

D बोध की कमी है

प्रोजेक्ट टाइगर:- भारत मे 1973 मे सर्वप्रथम बाघ संरक्षण के क्षेत्र मे कदम उठाया गया और उस समय 'कूनो' प्रथम बाघ संरक्षण घोषित किया गया जिसके 50 वर्ष अभी 2023 मे पूर्ण हुए हैं, इस उपलक्ष पर Big cat alliance का अनावरण हुआ है।

Tiger Man
कैलाश सांखला

project tiger (1973-2023) तक का विश्लेषण :-

* 1973 मे बाघ संरक्षण हेतु बनाये गये नियम की ही परिणिती है कि आज देश मे लगभग 53 tiger Reserve कार्यरत है।
* project tiger के पश्चात बाघों की संख्या में उत्तरोत्तर वृद्धि हुई है और मध्य प्रदेश मे सर्वाधिक है अतः वह 'tiger state' कहलाने लगा है।
* project tiger से इसने बाघ संरक्षण के साथ-2 पर्यटन को भी प्रोत्साहित किया है।

IBCA पर थोड़ा विस्तार से समझाना है
व इस Aliance मे आने वाले सदस्य cat family
शेर, बाघ, चीता, तेंदुआ, प्यूमा, जगुआर (7 जाति)

Big cat संरक्षण का महत्व:- भारत मे 1973 से अब तक बाघ संरक्षण किया गया है इसका महत्व:-

① इनका संरक्षण जैव विविधता हेतु बहुत ही आवश्यक है, और यह जैव विविधता को बढ़ाता है।
② पर्यटन में भी इसका उल्लेखनीय योगदान है अतः यह महत्वपूर्ण है।
③ Big cat संरक्षण से यह जैवविविधता संरक्षण के क्षेत्र मे भारत का एक और कदम होगा।

(Write above this line only)

राम. का भी संदर्भ लिखना है
संख्या दुगुनी करनी है
को भी लिखें

Tx2

Samyak
An Institute For Civil Services

3. अन्तर्राष्ट्रीय उष्ट्र वर्ष 2024 के उद्देश्य बतायें तथा उष्ट्र वंश का महत्त्व स्पष्ट कीजिये। राजस्थान में ऊंटों की संख्या लगातार घटने के कारणों पर चर्चा करें तथा राजस्थान सरकार द्वारा ऊंट संरक्षण हेतु किये प्रयासों का संक्षिप्त विवरण दीजिए-

Explain the objectives of International Camelids Year 2024 and explain the importance of Camelids. Explain the reasons of declining number of camels in Rajasthan and give a summary of the efforts taken by the Rajasthan government to conserve the camel .

(4)

कारण में स्थानों के नाम Particular

अन्तर्राष्ट्रीय उष्ट्र वर्ष :- 2024

ऊँट को राज्य पशु का दर्जा दिया गया है

2024 को अन्तर्राष्ट्रीय उष्ट्र वंश घोषित किया गया है जिसके

तारीख सहित लिखें (30, जून, 2014)

उद्देश्य (i) उष्ट्र संरक्षण

(ii) ऊँटों का पर्यटन व कृषि में और अधिक महत्व बढ़ाया जाना।

(iii) उष्ट्र संरक्षण, ऊंट अनुसंधान व देखभाल को प्रोत्साहन।

महत्व में प्रभावी कारण लिखें

उष्ट्र वंश का महत्व :- (i) यह प्राचीन समय से अभी तक भी ग्रामीण अंचल में परिवहन का भी एक साधन रहा है

(ii) परम्परागत कृषि कार्य में सर्वप्रमुख स्थान ऊँट का है

(iii) ऊंटनी के दूध में कई औषधीय गुण होते हैं

(iv) बीकानेर में ऊँट महोत्सव के रूप में शानदार आयोजन।

2) वध का प्रयोग करें

जैसे 2012 व 2019 के मध्य ऊँटों की क्या स्थिति रही है

ऊंटों की संख्या घटने का कारण :- राज्यस्थान में लगातार ऊँटों की संख्या कम होती जा रही है जिसके प्रमुख कारण (i) अब खेती व अन्य कार्यों में ऊंट की महत्ता कम (2) ऊंटगाड़ी का भी परिवहन के रूप में महत्व में कमी (3) पारम्परिक मेलों व उत्सवों का महत्व भी कम।

ऊंट संरक्षण हेतु राजस्थान सरकार के प्रयास :- • उष्ट्र विकास एवम् अनुसंधान केन्द्र की स्थापना। • ऊंट महोत्सव - बीकानेर

• ऊंट प्रजनन केन्द्र - बीकानेर की स्थापना। (स्थान -)

• ऊंटपालकों को भी ऊंट पालन हेतु प्रोत्साहन राशि के रूप में सहयोग।